दिनांक 18 से 20 मई, 2017 तक देवीपाटन मण्डल के जनपद बहराइच की भ्रमण आख्या

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के पत्र संख्या–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम. एण्ड ई./2017–18/18/686–2 दिनॉक 01.05.2017 के क्रम में दिनांक 18–20 मई, 2017 को राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के दल द्वारा देवीपाटन मण्डल के जनपद बहराइच का भ्रमण किया गया तथा स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन किया गया। टीम के सदस्यों का विवरण निम्नवत् हैं–

1. **डा0 ए.बी. सिंह, उपमहाप्रबंधक, एन.सी.डी., एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम.।**
2. **श्री राज किशोर त्रिपाठी, ट्रेनिंग एण्ड मॉनीटरिंग ऑफीसर, ए0आर0सी0, एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम.।**
3. **श्री पुरन्जय प्रताप सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, एम. एण्ड ई., एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम.।**

उपरोक्त टीम द्वारा जिला महिला चिकित्सालय (एफ.आर.यू.), जिला पुरूष चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कैसरगंज (एफ.आर.यू.), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नानपारा (एफ.आर.यू.), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मुस्तफाबाद, शहरी स्वास्थ्य केन्द्र सलारगंज, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस ग्राम–चमारनपुरवा (उपकेन्द्र–कुड़वा) का भ्रमण किया गया एवं जिला स्तर के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी। उक्त चिकित्सा इकाईयों की पूरित चेकलिस्ट इस आख्या के साथ संलग्न है। भ्रमण आख्या का विवरण बिन्दुवार निम्नवत हैः–

सामु0 स्वा0 केन्द्र, जरवल (मुस्तफाबाद)

- रूकसार बानो पत्नी श्री चॉद बाबू कसमरा घूरनपुर, जनपद–बहराइच का प्रसव दिनांक 17.05.2017 को सायं 05:30 बजे हुआ था। लाभार्थी से सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने पर अवगत कराया गया कि अस्पताल द्वारा प्रदान की जा रही सेवायें संतोषजनक है।
- 102 एम्बुलेन्स सेवा के वाहन संख्या–यूपी 41 जी 1945 के ईएमटी श्री संतोष तिवारी यूनीफार्म में नहीं थे जिन्हें नियमित रूप से यूनीफार्म में रहने हेतु निर्देशित किया गया।
- सामु0स्वा0 केन्द्र कैसरगंज में लगभग 400 से 500 प्रसव प्रतिमाह सम्पन्न होते हैं।
- चिकित्सालय में 3 नियमित व 3 संविदा की उपचारिकायें तथा 6 नियमित व 1 संविदा चिकित्साधिकारी कार्यरत हैं।

सामु0 स्वा0 केन्द्र, कैसरगंज (एफ.आर.यू.)

- सामु0स्वा0 केन्द्र कैसरगंज में लगभग 400 से 500 प्रसव प्रतिमाह सम्पन्न होते हैं।
- चिकित्सालय में 3 नियमित व 3 संविदा की उपचारिकायें तथा 6 नियमित व 1 संविदा चिकित्साधिकारी कार्यरत हैं।
- 100 बेडेड स्थापित मैटरनिटी विंग में कार्यरत डा0 आकांक्षा राय बर्थ एक्सपेसिया से ग्रसित बच्चे को देखने नहीं गयी। बच्चे की मृत्यु हो चुकी थी।
- पोस्ट नेटल वार्ड में पंखा नहीं चल रहा है। वार्ड की खिड़कियॉ सील्ड थी जिन्हें खोला नहीं जा सकता था। खिड़की न खोलने से वार्ड के अन्दर उमस बहुत अधिक थी।

- लाभार्थियों से जानकारी प्राप्त करने पर ज्ञात हुआ कि प्रसवोपरान्त शीघ्र स्तनपान कराया गया है।
- चिकित्सालय परिसर में उपलब्ध 102 एम्बुलेन्स यूपी 41 जी 3501 का निरीक्षण किया गया जिसमें ऑक्सीजन सिलिन्डर उपलब्ध था, बीपी मशीन क्रियाशील थी किन्तु श्री सुधीर सिंह, ईएमटी यूनीफार्म में नहीं पाये गये। इस हेतु निर्देशित किया गया कि ड्यूटी पर रहते समय यूनीफार्म अवश्य धारण करें।
- चिकित्सालय परिसर में उपलब्ध 102 एम्बुलेन्स यूपी 41 जी 2085 का निरीक्षण किया गया जिसमें ऑक्सीजन सिलिन्डर उपलब्ध था, एम्बुलेन्स की ए.सी. कार्य नहीं कर रही थी। बीपी मशीन व स्टैथोस्कोप अक्रियाशील था एवं श्री अर्पित श्रीवास्तव, ईएमटी यूनीफार्म में नहीं पाये गये। थर्मामीटर टूटा हुआ था। ईएमटी द्वारा बताया गया कि दिनांक 16.05.2017 को गाड़ी ऑन रोड हुयी है। पीडीआर में दिनांक 16 से 18.05.2017 के मध्य किसी भी लाभार्थी का अंकन नहीं किया गया था।
- सामु0 स्वा0 केन्द्र में तैनात चिकित्सा अधिकारियों एवं परा–चिकित्सा कर्मियों का स्थानान्तरण वृहद स्तर पर किया गया है जिससे सामु0स्वा0 केन्द्र की कार्य प्रणाली प्रभावित हुयी है।
- ए.एफ.एच.एस. काउन्सलर श्रीमती वन्दना शुक्ला प्रसूति अवकाश पर हैं।
- सामु0स्वा0 केन्द्र पर 5 उपचारिकायें एवं 1 चिकित्सा अधिकारी पीपीआईयूसीडी में प्रशिक्षित है।
- माह अप्रैल, 2017 में किसी भी मद में किसी भी आशा को कोई भुगतान नहीं किया गया है।
- सामु0 स्वा0 केन्द्र में बीसीपीएम का पद रिक्त है।
- भ्रमण किये गये सामु0स्वा0 केन्द्र में चिकित्सा अधीक्षक की मेज पर विसेन पैथालोजी निकट सरकारी अस्पताल (छोटे गेट के सामने) कैसरगंज–बहराइच एवं सरदार मेडिकल्स ब्लाक मोड़, कैसरगंज जिला–बहराइच के पर्चों की गड्डी प्राप्त हुयी (एक–एक मूल प्रति संलग्न)। जिससे ज्ञात होता है कि मरीजों की जांच बाहर से करायी जा रही है।

यूपीएचसी सलारगंज, बहराइच

- डा0 ए. के. वर्मा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, यूपीएचसी के अतिरिक्त एक चिकित्सक भी कार्यरत है।
- जनपद बहराइच में कुल 2 यूपीएचसी (सलारगंज एवं गौतमनगर) क्रियाशील हैं।
- प्रभारी महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि लगभग प्रतिदिन 60 मरीजों का पंजीकरण किया जाता है।
- यूपीएचसी में 1 उपचारिका, 1 फार्मासिस्ट, 1 एलटी, 1 स्वीपर कम चौकीदार, 1 वार्ड आया एवं 15 एएनएम कार्यरत हैं।
- यूपीएचसी सलारगंज पुराने क्षयरोग अस्पताल में संचालित किया जा रहा है किन्तु परिसर की बाउन्ड्री नहीं की गयी है।
- यूपीएचसी सलारगंज में कोल्ड चेन बनायी गयी है। कार्यरत आई.ओ. के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है।
- यूपीएचसी सलारगंज में प्रतिरक्षण हेतु माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। अवगत कराया गया कि वैक्सीन ले जाने एवं वापस जमा करने का कार्य एएनएम द्वारा किया जा रहा है।

- यूपीएचसी सलारगंज में 37 शहरी आशा के पद स्वीकृत हैं किन्तु परिणाम नहीं घोषित किया गया है।
- लेबर रूम बनाया गया है किन्तु प्रसव नहीं हो रहे हैं।
- यूपीएचसी सलारगंज में कार्यरत उपचारिका द्वारा प्रतिरक्षण कार्य किया जा रहा है।
- एएनएम वार औषधि वितरण का विवरण फार्मासिस्ट द्वारा तैयार किया जाता है।
- यूपीएचसी की समय–सारिणी नहीं लिखी गयी है जिस पर भ्रमण के समय उपस्थित श्री अरूण कुमार मौर्या, अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर को निर्देशित किया गया कि तत्काल समय–सारिणी का लेखन कराया जाये।
- शहरी आशा के कार्यरत न होने के कारण अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर के द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिरक्षीकरण कार्यक्रम में ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों से सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बैठक में भी प्रतिभाग किया जाये।
- यूपीएचसी पर प्रत्येक सोमवार को एएनएम की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाता है।
- यूपीएचसी में कार्यरत एएनएम के पास आरसीएच रजिस्टर या अन्य कोई रजिस्टर उपलब्ध नहीं है अपितु एएनएम के द्वारा स्वतः रजिस्टर तैयार किया गया है।
- यूपीएचसी में कार्यरत एएनएम के द्वारा किये गये प्रतिरक्षण कार्य को एमसीटीएस पोर्टल पर अपडेशन का कार्य लेखा सहायक के द्वारा किया जाता है। एएनएम से रजिस्टर प्राप्त कर पोर्टल पर अपडेट करने का कार्य किया जा रहा है।

जिला पुरूष चिकित्सालय, बहराइच

- जिला पुरूष चिकित्सा में तीन सर्जन की उपलब्धता होने पर पुरूष नसबन्दी (एन.एस.वी.) प्रतिदिन की जाती है।
- मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में अन्तर्गत कार्यरत चिकित्सक सहित अन्य समस्त पराचिकित्सक एक साथ ही एक ही कमरे में बैठते हैं जिस पर उप महाप्रबन्धक द्वारा निर्देशित किया गया कि चिकित्सक एवं क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट को अनिवार्य रूप से पृथक–पृथक कक्ष में बैठना सुनिश्चित करें जिससे मरीजों को गुणवत्तापरक सेवायें प्रदान की जा सकें। जिसके क्रम में तत्काल मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एक और कमरा उपलब्ध कराया गया।
- राज्य स्तर से प्रेषित किये गये दिशा–निर्देशों के अनुरूप जिला चिकित्सालय में अभी तक एन0सी0डी0 क्लीनिक की स्थापना नहीं की गयी है जिसे तत्काल स्थापित किये जाने के निर्देश दिये गये। मानव संसाधन भर्ती नहीं है।
- अन्तः रोगी विभाग में भर्ती मरीज श्रीमती सुमित्रा पत्नी श्री राजेश निवासिनी ग्राम मानपुरवा लालपुर चॉदा एवं कु0 सुलोचिनी पुत्री श्री सुरेश निवासिनी सहाबा, नवाबगंज द्वारा अवगत कराया गया कि दवायें एवं भोजन इत्यादि की सुविधा अस्पताल द्वारा उपलब्ध करायी जा रही है। दोनों मरीजों द्वारा अवगत कराया गया कि अस्पताल आने हेतु 108 एम्बुलेंस सेवा का उपयोग किया गया है।
- निरीक्षण किये गये वार्ड में सेण्ट्रालाइज्ड ऑक्सीजन पाइप लगाई गयी है किन्तु क्रियाशील नहीं है।

- भ्रमण के समय मौजूद श्री माधवन सिंह, हास्पिटल मैनेजर, यूपीएचएसएसपी को निर्देशित किया गया कि वार्ड की दीवारों पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महोदय से समन्वय स्थापित करते हुये प्रचार–प्रसार करवाना सुनिश्चित करें।
- चिकित्सालय परिसर में ही स्थापित आयुष विंग का निरीक्षण किया गया जहॉ पर चार चिकित्सक (होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, यूनानी एवं योगा) तैनात किये गये हैं जबकि केवल एक फार्मासिस्ट (आयुर्वेदिक) की तैनाती की गयी है जिससे दो अन्य चिकित्सकों को मरीज देखने एवं औषधि वितरण करने का काम करना पड़ता है।
- चिकित्सालय परिसर में आयुष विंग को दिशा प्रदर्शित करने हेतु ऐरोमार्किंग नहीं की गयी है। जिसके लिये भ्रमण के समय मौजूद जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि अतिशीघ्र ऐरोमार्किंग कराना सुनिश्चित करें।
- चिकित्सालय परिसर में रोगी सहायता केन्द्र की स्थापना नहीं की गयी है।
- चिकित्सालय परिसर में स्थापित जे.ई./ए.ई.एस. वार्ड का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि 20 उपचारिकाओं की तैनाती की गयी है किन्तु उनका ड्यूटी रोस्टर नहीं बनाया गया है। चिकित्सक की उपलब्धता आनकॉल के रूप में है।
- पुष्पासेल्स द्वारा 4 ऑपरेटर एवं 1 टेक्नीशियन नियुक्त किया गया है जिनका वेतन माह फरवरी, 2017 के बाद नहीं दिया गया है। भ्रमण के समय मौजूद ऑपरेटरों के द्वारा अवगत कराया गया कि पॉचों कर्मचारियों का वेतन एक ही कर्मचारी के बैंक खाते में भेजा जा रहा है।
- चिकित्सालय परिसर में स्थापित पोषण पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया गया जिसमें एक एमबीबीएस चिकित्सक, चार उपचारिकायें, एक न्यूट्रीशियनिस्ट, एक अटेन्डेन्ट एवं एक क्लीनर की तैनाती की गयी है।
- वार्ड में बच्चों के मनोरंजन हेतु टेलीविजन लगाया गया है।
- दस्तावेजों से ज्ञात हुआ कि माह अप्रैल में 28 एवं मई में 18 बच्चों को भर्ती किया गया है।
- बच्चों के डिस्चार्ज विवरण को देखकर ज्ञात हुआ कि 14 दिनों तक समस्त बच्चों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। आई.पी.डी. बढ़ाने हेतु सुझाव दिये गये।

जिला महिला चिकित्सालय, बहराइच

- जिला महिला चिकित्सालय के लेबररूम का निरीक्षण किया गया जिसकी सक्शन मशीन क्रियाशील नहीं थी।
- लेबररूम में लेबर टेबल पर प्रसूता के सिर के पास ट्रे इत्यादि रखी गयी थी जिस पर उपचारिकाओं को आदत में सुधार किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।
- लेबररूम के भ्रमण के समय एक गर्भवती महिला जमीन पर लेटी हुयी थी जिसे लेबर टेबल पर लिटाने हेतु उपचारिकाओं से कहा गया, तो उपचारिकाओं ने अवगत कराया कि समस्त टेबलों पर महिलायें लेटी हुयी हैं। जिला महिला चिकित्सालय में 2 लेबररूम बनाये गये हैं जिसमें कुल 6 लेबर टेबल लगायी गयी हैं। इस तथ्य से मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महोदया को भी अवगत करा दिया गया।

- लेबररूम के भ्रमण के समय उपस्थित उपचारिकाओं से ऑक्सीजन सिलेण्डर खोलने के लिये कहा गया जिस पर किसी भी उपचारिका द्वारा ऑक्सीजन सिलेण्डर खोला नहीं जा सका। ऑक्सीजन सिलेण्डर खोलने हेतु वार्ड ब्याय को बुलाया जाता है। इस पर उप महाप्रबन्धक द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी।
- जिला महिला चिकित्सालय में औसत 800 से 900 प्रसव प्रतिमाह एवं लगभग 200 सिजेरियन प्रसव कराये जा रहे हैं।
- लेबररूम में अत्यधिक भीड़ रहती है जिस पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महोदया को गार्ड रखे जाने का सुझाव दिया गया। जानकारी प्राप्त हुयी कि 6 गार्ड तैनात किये गये हैं किन्तु अन्य कार्यों में व्यस्त किये गये हैं।
- जिला महिला चिकित्सालय में राज्य स्तर से निर्धारित प्रसव रजिस्टर नहीं पाये गये।
- भ्रमण के समय अवगत कराया गया कि अस्पताल परिसर की पूरी वायरिंग शार्ट सर्किट से दो दिन पूर्व पूरी तरह से जल गयी थी।
- ओ.पी.डी. में मरीजों के बैठने हेतु उपयुक्त व्यवस्था नहीं की गयी है।
- भ्रमण के दौरान ज्ञात हुआ कि वार्ड में ड्यूटी करने वाली उपचारिकाओं के लिये कोई रोस्टर नहीं बनाया गया है। जानकारी हुयी कि ड्यूटी रोस्टर केवल लेबररूम हेतु ही बनाया गया है।
- हाई रिस्क प्रेगनेन्सी की सूची उपलब्ध नहीं थी।
- जिला महिला चिकित्सालय में स्थापित एस.एन.सी.यू. की स्थिति अच्छी थी व चिकित्सक एवं उनकी टीम पूर्ण मनोयोग से कार्य कर रहे थे।
- रोगी कल्याण समिति के अभिलेख देखने के लिये उपलब्ध नहीं हो सके।

रोगी सहायता केन्द्र, जिला महिला चिकित्सालय, बहराइच

- जिला महिला चिकित्सालय में स्थापित किये गये रोगी सहायता केन्द्र की स्थिति अच्छी नहीं थी। चिकित्सालय के मुख्य गेट पर स्थापित किये गये आर.एस.के. का काउन्टर संकीर्ण एवं नान–ट्रांसपरेंट शीशा लगाये गये थे जिस पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महोदया को सुझाव दिया गया कि काउण्टर में यथाआवश्यक परिवर्तन करें जिससे मरीजों/आगन्तुकों को आवश्यक सहायता प्राप्त हो सके।
- रोगी सहायता केन्द्र में एक मैनेजर एवं तीन ऑपरेटर कार्यरत हैं। रोगी सहायता केन्द्र में तैनात कार्मिकों द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा आउटरीच का कार्य नहीं किया जा रहा है।
- रोगी सहायता केन्द्र में तैनात कार्मिकों द्वारा अवगत कराया गया कि मरीजों/आगन्तुकों का विवरण दर्ज करने हेतु रजिस्टर स्वयं के पैसे से खरीद कर लाये जाते हैं।
- रोगी सहायता केन्द्र कार्मिकों द्वारा अवगत कराया गया कि अप्रैल, 2017 से मानदेय नहीं प्रदान किया गया है। जबकि मैनेजर का मानदेय माह दिसम्बर, 2016 तक ही आहरित किया गया है।

सामु0 स्वा0 केन्द्र, नॉनपारा (एफ.आर.यू.), विकास खण्ड – बलहा

- सामु0स्वा0 केन्द्र नॉनपारा में लगभग 150 से 200 प्रसव प्रतिमाह कराये जाते हैं। अभी तक कुल 3 सिजेरियन प्रसव हुये हैं।

- ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित नहीं है जबकि रेफ्रिजरेटर एवं अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं अवगत कराया गया कि लाइसेन्स हेतु प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उपमहाप्रबन्धक द्वारा निर्देशित किया गया कि दिनांक 22 मई, 2017 को लखनऊ में आयोजित होने वाली बैठक में लैब टेक्नीशियन को समस्त दस्तावेजों के साथ भेज दें जिससे बी.एस.यू. के लाइसेन्स की प्रक्रिया को अतिशीघ्र पूर्ण किया जा सके।
- चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि सामु0 स्वा0 केन्द्र में किसी भी कार्मिक (चिकित्सक एवं पराचिकित्सक) हेतु आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं है। चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अस्पताल परिसर के एक रूम में निवास भी किया जा रहा है।
- ब्लाक एकाउन्ट मैनेजर के द्वारा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन भली प्रकार से नहीं किया जा रहा है जिसके कारण आशाओं के भुगतान लम्बित है।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, ग्राम चमारनपुर (उपकेन्द्र–कुड़वा) ब्लाक मिहीपुरवा

- ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम चमारनपुर (उपकेन्द्र–कुड़वा) में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। भ्रमण में पाया गया कि विगत एक वर्ष से आशा कार्यकत्री के द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है। आई.पी.वी. व डी.पी.टी. बूस्टर की वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी। लाभार्थी सूची उपलब्ध थी किन्तु अद्युनान्त नहीं की गयी थी। महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री के पास अद्युनान्त कार्ययोजना उपलब्ध नहीं थी। महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री के पास कण्डोम के अतिरिक्त परिवार नियोजन हेतु कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं था।

राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण दल द्वारा उक्त बिन्दुओं पर यथोचित कार्यवाही करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराईच को सुझाव दिया गया।

06/06/2017
(Puranjai Pratap Singh)
Programme Co-ordinator
SPMU-NRHM

Raj Kishor Tripathi
06/06/2017
(Raj Kishor Tripathi)
Training & Monitoring Officer

06/06/17